Pro

Chapter 6

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

בְּנִי	אִם־	עָרַבְתָּ	לְרֵעֶךָ	תָּקַעְתָּ	לַזָּר	כַּפֶּיךָ׃
मेरे-पुत्र	यदि-	जामिन-हुआ	पड़ोसी-अपने-के-लिए	मारा-हाथ	अजनबी-के-लिए	हथेली-अपनी
		H6148	H7453	H8628		H3709

हे मेरे पुत्र, बिना समझे बूझे यदि किसी की जमानत दी है अथवा किसी के लिये वचनबद्ध हुआ है,

2

נוֹקַשְׁתָּ	בְאִמְרֵי־	פִיךָ	נִלְכַּדְתָּ	בְּאִמְרֵי־	פִיךָ׃
फँसा-हुआ	वचनों-से-	मुख-अपने-के	पकड़ा-गया	वचनों-से-	मुख-अपने-के
H3369	H0561	H6310	H3920	H0561	H6310

यदि तू अपने ही कथन के जाल में फँस गया है, तू अपने मुख के ही शब्दों के पिंजरे में बन्द हो गया है

3

עֲשֵׂה	זֹאת	אֵפוֹא	בְּנִי	וְהִנָּצֵל	כִּי	בָאתָ	בְכַף־	רֵעֶךָ	לֵךְ	הִתְרַפֵּס	וּרְהַב	רֵעֶיךָ׃
कर	यह	तो	मेरे-पुत्र	और-बच-जा	क्योंकि	आया	हाथ-में-	पड़ोसी-अपने-के	जा	और-गिड़गिड़ा	और-जल्दी-कर	पड़ोसी-अपने-के-पास
	H2063	H0645		H5337		H0935	H3709	H7453	H3212	H7511	H7292	H7453

तो मेरे पुत्र, क्योंकि तू औरों के हाथों में पड़ गया है, तू स्वंय को बचाने को ऐसा कर: तू उसके निकट जा और विनम्रता से अपने पड़ोसो से अनुनय विनम्र कर।

4

אַל־	תִּתֵּן	שֵׁנָה	לְעֵינֶיךָ	וּתְנוּמָה	לְעַפְעַפֶּיךָ׃
मत-	दे	नींद	आँखों-अपनी-को	और-झपकी	पलकों-अपनी-को
H0408	H5414	H8142		H8572	H6079

निरन्तर जागता रह, आँखों में नींद न हो और तेरी पलकों में झपकी तक न आये।

5

הִנָּצֵל	כִּצְבִי	מִיָּד	וּכְצִפּוֹר	מִיַּד	יָקוּשׁ׃	פ
बच-जा	हिरण-की-तरह	हाथ-से	और-चिड़िया-की-तरह	हाथ-से	बहेलिया-के	—
H5337		H3027	H6833	H3027	H3353	

स्वंय को चंचल हिरण शिकारी के हाथ से और किसी पक्षा सा उसके जाल से छुड़ा ले।

6

לֵךְ־	אֶל־	נְמָלָה	עָצֵל	רְאֵה	דְרָכֶיהָ	וַחֲכָם׃
जा-	-के-पास	चींटी	आलसी	देख	राहें-उसकी	और-बुद्धिमान-हो
H3212	H0413	H5244	H6102	H7200	H1870	H2449

अरे ओ आलसी, चींटी के पास जा। उसकी कार्य विधि देख और उससे सीख ले।

7

אֲשֶׁר	אֵין־	לָהּ	קָצִין	שֹׁטֵר	וּמֹשֵׁל׃
जिसे	नहीं-	उसे	प्रधान	अधिकारी	और-शासक
	H0369		H7101	H7860	H4910

उसका न तो काई नायक है, न ही कोई निरीक्षक न ही कोई शासक है।

8

תָּכִין	בַּקַּיִץ	לַחְמָהּ	אָגְרָה	בַקָּצִיר	מַאֲכָלָהּ׃
तैयार-करती-है	गर्मी-में	रोटी-अपनी	इकट्ठा-करती-है	कटाई-में	भोजन-अपना
	H7019	H3899	H0103		H3978

फिर भी वह ग्रीष्म में भोजन बटोरती है और कटनी के समय खाना जुटाती है।

9	עַד־	מָתַי	וְעָצֵל	תִּשְׁכָּב	מָתַי	תָּקוּם	מִשְׁנָתֶךָ׃	
	कब-तक	कब	आलसी	लेटा-रहेगा	कब	उठेगा	नींद-अपनी-से	
	H5704	H4970	H6102	H7901	H4970		H8142	

अरे ओ दीर्घ सूत्री, कब तक तुम यहाँ पड़े ही रहोगे अपनी निद्रा से तुम कब जाग उठोगे

10	מְעַט	שֵׁנוֹת	מְעַט	תְּנוּמוֹת	וּמְעַט	חִבֻּק	יָדַיִם	לִשְׁכָּב׃
	थोड़ी	नींदें	थोड़ी	झपकियाँ	थोड़ा	लपेटना	हाथों-का	लेटने-के-लिए
	H4592	H8142	H4592	H8572	H4592	H2264	H3027	H7901

तुम कहते रहोगे, “थोड़ा सा और सो लूँ, एक झपकी ले लूँ, थोड़ा सुस्ताने को हाथों पर हाथ रख लूँ।”

11	וּבָא־	כְמַהֲלֵךְ	רֵאשֶׁךָ	וּמַחְסֹרְךָ	כְּאִישׁ	מָגֵן׃	פ	
	और-आएगी-	पथिक-की-तरह	गरीबी-तेरी	और-कमी-तेरी	मनुष्य-की-तरह	हथियारधारी-के	—	
	H0935	H1980		H4270	H0376	H4043		

और बस तुझको दरिद्रता एक बटमार सी आ घेरेगी और अभाव शस्त्रधारी सा घेर लेगा।

12	אָדָם	בְּלִיַּעַל	אִישׁ	אָוֶן	הוֹלֵךְ	עִקְּשׁוּת	פֶּה׃
	मनुष्य	नीच	आदमी	दुष्टता-का	चलनेवाला	टेढ़ापन	मुख-का
	H0120	H1100	H0376	H0205	H1980	H6143	H6310

नीच और दुष्ट वह होता है जो बुरी बातें बोलता हुआ फिरता रहता है।

13	קֹרֵץ	בְּעֵינָו	מֹלֵל	בְּרַגְלָו	מֹרֶה	בְּאֶצְבְּעֹתָיו׃
	ऐंठनेवाला	आँखों-से-अपनी	बोलनेवाला	पाँवों-अपने-से	इशारा-करनेवाला	उंगलियों-अपनी-से
	H7169			H7272		H0676

जो आँखों द्वारा इशारा करता है और अपने पैरों से संकेत देता है और अपनी उगंलियों से इशारे करता है।

14	וְתַהְפֻּכוֹת	בְּלִבּוֹ	חֹרֵשׁ	רָע	בְּכָל־	עֵת	[מדנים]	(מְדְיָנִים)	יְשַׁלַּח׃
	टेढ़ापन	हृदय-अपने-में	गढ़नेवाला	बुराई	सब-	समय	—	झगड़े	भेजता-है
	H8419				H3605	H6256	H4090	H4079	H7971

जो अपने मन में षड्यन्त्र रचता है और जो सदा अनबन उपजाता रहता है।

15	עַל־	כֵּן	פִּתְאֹם	יָבוֹא	אֵידֹו	פֶּתַע	יִשָּׁבֵר	וְאֵין	מַרְפֵּא׃	פ
	–पर	इसलिए	अचानक	आएगी	विपत्ति-उसकी	झट-से	टूटेगा	और-नहीं-होगी	चंगाई	
			H6597	H0935	H0343	H6621	H7665	H0369	H4832	

अत: उस पर अचानक महानाश गिरेगा और तत्काल वह नष्ट हो जायेगा। उस के पास बचने का उपाय भी नहीं होगा।

16	שֵׁשׁ־	הֵנָּה	שֹׂנֵא	יְהוָה	וְשֶׁבַע	[תועבות]	(תּוֹעֲבַת)	נַפְשׁוֹ׃
	छह-	ये	बैर-रखता-है	यहोवा	और-सात	—	घृणा	प्राण-उसके-की
	H8337	H2007	H8130	H3068	H7651	H8441	H8441	H5315

ये हैं छ: बातें वे जिनसे यहोवा घृणा रखता और ये ही सात बातें जिनसे है उसको बैर:

17	עֵינַיִם	רָמוֹת	לְשׁוֹן	שֶׁקֶר	וְיָדַיִם	שֹׁפְכוֹת	דַּם־	נָקִי׃
	आँखें	घमंडी	जीभ	झूठ-की	और-हाथ	बहानेवाले	खून-	निर्दोष-का
			H3956	H8267	H3027	H8210	H1818	

गर्वीली आँखें, झूठ से भरी वाणी, वे हाथ जो अबोध के हत्यारे हैं।

18	לֵב	חֹרֵשׁ	מַחְשְׁבוֹת	אָוֶן	רַגְלַיִם	מְמַהֲרוֹת	לָרוּץ	לָרָעָה׃
	हृदय	गढ़नेवाला	योजनाएँ	दुष्टता-की	पाँव	जल्दी-करनेवाले	दौड़ने-को	बुराई-की-ओर
			H4284	H0205	H7272		H7323	

ऐसा हृदय जो कुचक्र भरी योजनाएँ रचता रहताहै, ऐसे पैर जो पाप के मार्ग पर तुरन्त दौड़ पड़ते हैं।

19

יָפִיחַ	כְּזָבִים	עֵד	שָׁקֶר	וּמְשַׁלֵּחַ	מְדָנִים	בֵּין	אַחִים׃	פ
बोलनेवाला	झूठ	गवाह	झूठा	और-भेजनेवाला	झगड़े	बीच	भाइयों-के	—
H6315	H3577	H5707	H8267	H7971	H4090	H0996	H0251	

वह झूठा गवाह, जो निरन्तर झूठ उगलता है और ऐसा व्यक्ति जो भाईयों के बीच फूट डाले।

20

נְצֹר	בְּנִי	מִצְוַת	אָבִיךָ	וְאַל־	תִּטֹּשׁ	תּוֹרַת	אִמֶּךָ׃
रक्षा-कर	मेरे-पुत्र	आज्ञा	पिता-अपने-की	और-मत-	त्याग	व्यवस्था	माता-अपनी-की
H5341		H4687	H0001	H0408	H5203	H8451	H0517

हे मेरे पुत्र, अपने पिता की आज्ञा का पालन कर और अपनी माता की सीख को कभी मत त्याग।

21

קָשְׁרֵם	עַל־	לִבְּךָ	תָמִיד	עָנְדֵם	עַל־	גַּרְגְּרֹתֶךָ׃
बाँध-उन्हें	-पर	हृदय-अपने	हमेशा	लपेट-उन्हें	-पर	गले-अपने
H7194			H8548	H6029		H1621

अपने हृदय पर उनको सदैव बाँध रह और उन्हें अपने गले का हार बना ले।

22

בְּהִתְהַלֶּכְךָ	תַּנְחֶה	אֹתָךְ	בְּשָׁכְבְּךָ	תִּשְׁמֹר	עָלֶיךָ	וַהֲקִיצוֹתָ	הִיא	תְשִׂיחֶךָ׃
चलते-हुए-तेरे	मार्गदर्शन-करेगी	तुझे	लेटते-हुए-तेरे	पहरा-देगी	तुझ-पर	और-जागते-हुए-तेरे	वह	बोलेगी-तुझसे
H1980	H5148	H0853	H7901	H8104		H6974	H1931	H7878

जब तू आगे बढ़ेगा, वे राह दिखायेंगे। जब तू सो जायेगा, वे तेरी रखवाली करेंगे और जब तू जागेगा, वे तुझसे बातें करेंगे।

23

כִּי	נֵר	מִצְוָה	וְתוֹרָה	אוֹר	וְדֶרֶךְ	חַיִּים	תּוֹכְחוֹת	מוּסָר׃
क्योंकि	दीपक	आज्ञा	और-व्यवस्था	प्रकाश	और-राह	जीवन-की	डाँटें	शिक्षा-की
		H4687	H8451	H0216	H1870			H4148

क्योंकि ये आज्ञाएँ दीपक हैं और यह शिक्षा एक ज्योति है। अनुशासन के सुधार तो जीवन का मार्ग है।

24

לִשְׁמָרְךָ	מֵאֵשֶׁת	רָע	מֵחֶלְקַת	לָשׁוֹן	נָכְרִיָּה׃
बचाने-के-लिए-तुझे	स्त्री-से	बुरी	चिकनाई-से	जीभ-की	विदेशी-स्त्री-की
H8104	H0802			H3956	H5237

जो तुझे चरित्रहीन स्त्री से और भटकी हुई कुलटा की फुसलाती बातों से बचाते हैं।

25

אַל־	תַּחְמֹד	יָפְיָהּ	בִּלְבָבֶךָ	וְאַל־	תִּקָּחֲךָ	בְּעַפְעַפֶּיהָ׃
मत-	ललचा	सौंदर्य-उसके	हृदय-अपने-में	और-मत-	पकड़े-तुझे	पलकों-उसकी-से
H0408		H3308	H3824	H0408	H3947	H6079

तू अपने मन को उसकी सुन्दरता पर कभी वासना सक्त मत होने दे और उसकी आँखों का जादू मत चढ़ने दे।

26

כִּי	בְעַד־	אִשָּׁה	זוֹנָה	עַד־	כִּכַּר	לָחֶם	וְאֵשֶׁת	אִישׁ	נֶפֶשׁ	יְקָרָה	תָצוּד׃
क्योंकि	कारण-से-	स्त्री	वेश्या-के	तक-	टुकड़ा	रोटी-का	और-पत्नी	मनुष्य-की	प्राण	बहुमूल्य	फँसाती-है
	H1157	H0802	H2181	H5704	H3603	H3899	H0802	H0376	H5315	H3368	

פ
—

क्योंकि वह वेश्या तो तुझको रोटी—रोटी का मुहताज कर देगी किन्तु वह कुलटा तो तेरा जीवन ही हर लेगी!

27

הֲיַחְתֶּה	אִישׁ	אֵשׁ	בְּחֵיקוֹ	וּבְגָדָיו	לֹא	תִשָּׂרַפְנָה׃
क्या-रखेगा	मनुष्य	आग	गोद-अपनी-में	और-कपड़े-उसके	नहीं	जलेंगे
H2846	H0376	H0784	H2436		H3808	H8313

क्या यह सम्भव है कि कोई किसी के गोद में आग रख दे और उसके वस्त्र फिर भी जरा भी न जलें

28

אִם־	יְהַלֵּךְ	אִישׁ	עַל־	הַגֶּחָלִים	וְרַגְלָיו	לֹא	תִכָּוֶינָה׃
यदि-	चले	मनुष्य	-पर	अंगारों	और-पाँव-उसके	नहीं	जलें
	H1980	H0376		H1513	H7272	H3808	H3554

दहकते अंगारों पर क्या कोई जन अपने पैरों को बिना झुलसाये हुए चल सकता है

בָּהּ׃	הַנֹּגֵעַ	כָּל־	יִנָּקֶה	לֹא	רֵעֵהוּ	אֵשֶׁת	אֶל־	הַבָּא	כֵּן	29
उसे	छूनेवाला	सब-	निर्दोष-होगा	नहीं	पड़ोसी-अपने-की	पत्नी	-के-पास	आनेवाला	ऐसा	
	H5060	H3605	H5352	H3808	H7453	H0802	H0413	H0935		

वह मनुष्य ऐसा ही है जो किसा अन्य की पत्नी से समागम करता है। ऐसी पर स्त्री के जो भी कोई छूएगा, वह बिना दण्ड पाये नहीं रह पायेगा।

יִרְעָב׃	כִּי	נַפְשׁוֹ	לְמַלֵּא	יִגְנֹב	כִּי	לַגַּנָּב	יְבֻזּוּ	לֹא־	30
भूखा-हो	जब	प्राण-अपने	भरने-के-लिए	चुराए	जब	चोर-को	तुच्छ-जानते	नहीं-	
H7456		H5315	H4390	H1589		H1590	H0936	H3808	

यदि कोई चोर कभी भूखों मरता हो, यदि यह भूख को मिटाने के लिये चोरी करे तो लोग उस से घृणा नहीं करेंगे। फिर भी यदि वह पकड़ा जाये तो उसे सात गुणा भरना पड़ता है चाहे उससे उसके घर का समूचा धन चुक जाये।

יִתֵּן׃	בֵּיתוֹ	הוֹן	כָּל־	אֶת־	שִׁבְעָתָיִם	יְשַׁלֵּם	וְנִמְצָא	31
देगा	घर-अपने-का	धन	सब-	-	सात-गुना	देगा	और-पकड़ा-जाए	
H5414		H1952	H3605	H0853	H7659		H4672	

यदि कोई चोर कभी भूखों मरता हो, यदि यह भूख को मिटाने के लिये चोरी करे तो लोग उस से घृणा नहीं करेंगे। फिर भी यदि वह पकड़ा जाये तो उसे सात गुणा भरना पड़ता है चाहे उससे उसके घर का समूचा धन चुक जाये।

יַעֲשֶׂנָּה׃	הוּא	נַפְשׁוֹ	מַשְׁחִית	לֵב	חֲסַר־	אִשָּׁה	נֹאֵף	32
करता-है-ऐसा	वह	प्राण-अपने-का	नाश-करनेवाला	हृदय-का	अभाव-	स्त्री-से	व्यभिचारी	
	H1931	H5315	H7843		H2638	H0802	H5003	

किन्तु जो पर स्त्री से समागम करता है उसके पास तो विवेक का आभाव है। ऐसा जो करता है वह स्वयं को मिटाता है।

תִּמְחֶה׃	לֹא	וְחֶרְפָּתוֹ	יִמְצָא	וְקָלוֹן	נֶגַע־		33
मिटेगी	नहीं	और-लज्जा-उसकी	पाएगा	और-अपमान	चोट-		
	H3808	H2781	H4672	H7036	H5061		

प्रहार और अपमान उसका भाग्य है। उसका कलंक कभी नहीं धुल पायेगा।

נָקָם׃	בְּיוֹם	יַחְמוֹל	וְלֹא־	גָּבֶר	חֲמַת־	קִנְאָה	כִּי־	34
बदला-के	दिन-में	दया-करेगा	और-नहीं-	पुरुष-की	क्रोध-	ईर्ष्या	क्योंकि-	
H5359	H3117	H2550	H3808	H1397	H2534	H7068		

ईर्ष्या किसी पति का क्रोध जगाती है और जब वह इसका बदला लेगा तब वह उस पर दया नहीं करेगा।

פ	שֹׁחַד׃	תַּרְבֶּה־	כִּי	יֹאבֶה	וְלֹא־	כֹּפֶר	כָּל־	פְּנֵי	יִשָּׂא	לֹא־	35
—	घूस	बढ़ाए-	जब	रज़ामंद-होगा	और-नहीं-	फिरौती-की	सब-	चेहरा	उठाएगा	नहीं-	
	H7810			H0014	H3808		H3605	H6440	H5375	H3808	

वह कोई क्षति पूर्ति स्वीकार नहीं करेगा और कोई उसे कितना ही बड़ा प्रलोभन दे, उसे वह स्वीकारे बिना ठुकरायेगा!